'इंडियन इंट्राओकुलर इम्प्लांट एंड रिफ्रैक्टिव सोसाइटी ऑफ इंडिया' (आईआईआरएसआई) सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

———

डॉ. रागिनी पारेख जी,

पद्मश्री प्रोफेसर (डॉ) महिपाल सिंह सचदेव जी,

पदाधिकारी और कार्यकारी समिति के सदस्य;

गणमान्य विशिष्टजन,

सम्मानित अतिथिगण,

देवियो और सज्जनो:

नई दिल्ली में आयोजित नेत्र चिकित्सकों के इस सम्मेलन में आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। सबसे पहले नेत्रों की देखभाल और उनके उपचार की दिशा में हेतु अपना जीवन समर्पित करने वाले यहाँ उपस्थित प्रमुख नेत्र रोग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों और प्रशिक्षुओं को हार्दिक साधुवाद। उन्होंने मानव सेवा के इस पुण्य कार्य में स्वयं को समर्पित कर दिया है।

यह सम्मेलन एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है जहां नेत्र विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करते हैं, इस क्षेत्र में जो नई तकनीकें विकसित हो रही हैं, जो रिसर्च इनोवेशन हो रहे हैं, उन्हें आपस में साझा करते हैं। मैं इस सम्मेलन का आयोजन करने हेतु आयोजकों के अथक प्रयासों की सराहना करता हूं। आपसी सहयोग और जानकारी साझा करने की दिशा में आपकी यह प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है।

मुझे बताया गया है कि आपकी संस्था IIRSI की स्थापना लगभग 41 वर्ष पूर्व हुई थी और इस अवधि में इस संस्था की अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही हैं। जो नेत्र से संबंधित आम बीमारियाँ हैं जैसे मोतियाबिंद और मायोपिया – इनकी सर्जरी एवं देख रेख पर इस सम्मेलन को केंद्रित किया गया है।

मोतियाबिंद दुनिया भर में उपचार योग्य नेत्रहीनता का एक प्रमुख कारण है। आप दूरदराज के क्षेत्रों में, गांवों में, कहीं भी चले जाएं, आपको हर जगह सबसे अधिक इसी बीमारी से पीड़ित लोग मिलेंगे।

और इसके अतिरिक्त आँखों से जुड़ी ऐसी बहुत सी बीमारियाँ हैं, जिनका इलाज मुश्किल नहीं है। लेकिन लोग जानकारी या साधनों के अभाव में उनका इलाज नहीं करा पाते हैं। तो एक सोसाइटी के रूप में आपका दायित्व है कि आप जनता के बीच ऐसी जागरूकता का प्रसार करें कि जो नेत्र रोग आसानी से ठीक हो सकते हैं, कम से कम उसका इलाज आम जनता को उपलब्ध हो जाए।

आज टेक्नोलॉजी के माध्यम से टेली मेडिसिन के माध्यम से आपके सामने नए विकल्प आ गए हैं। सभी के पास स्मार्ट फोन हैं, तो उन तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। ऐसे में आपका दायित्व है कि आप तकनीकों तथा रोगी देखभाल के उच्चतम मानकों के बारे में जनता को जागरूक बनाएं ताकि जो उपचार योग्य रोग हैं, उनके त्वरित इलाज के बारे में जनता को प्रामाणिक जानकारी मिल सके।

मुझे इस वर्ष के सम्मेलन के बारे में जानकारी दी गई है और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सम्मेलन होने जा रहा है, जिसमें विभिन्न सेमिनार, कार्यशालाएं और चर्चाएं आयोजित की जाएगी।

नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में व्यापक जानकारी और विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए इन कार्यक्रमों को विशेष रूप से आयोजित किया जाता है। अगले कुछ दिनों में जिन विषयों पर चर्चा की जाएगी, वे सिर्फ अकादमिक ही नहीं हैं, अपितु उनमें जीवन को बदलने की भी क्षमता है। प्रत्येक सफलता, प्रत्येक नवाचार में दृष्टि को लौटाने, आशा को जगाने और अनगिनत व्यक्तियों के लिए दुनिया को बदलने की शक्ति है।

हमारी आँखें प्रकृति का एक ऐसा अनमोल उपहार है, जिसे हमें संभालकर रखना चाहिये और जिसकी हमें देखभाल करनी चाहिए। नेत्र रोग विशेषज्ञों का यह कर्तव्य है कि वे इस उपहार की रक्षा करें और कोई परेशानी होने पर इसे ठीक करें।

मोतियाबिंद के अलावा, मायोपिया अथवा निकट दृष्टि दोष का बढ़ता प्रसार, आधुनिक विश्व में एक बड़ी चिंता का विषय है। यह लाइफ स्टाइल से सम्बद्ध रोग है। आज के समय की जरूरतों, जिसमें अक्सर लंबे समय तक क्लोज अप वर्क और स्क्रीन टाइम वर्क शामिल है, ने मायोपिया के मामलों को

बढ़ाया है। नेत्र रोग विशेषज्ञ रेफ्रेक्टिव सर्जरी जैसे कि लेसिक और अन्य नवीनतम प्रक्रियाओं के माध्यम से इस चुनौती का समाधान करने में सबसे आगे हैं।

यह समझना जरुरी है कि आंखों की देखभाल में सर्जरी के अलावा भी बहुत सी चीजें हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ ग्लूकोमा सहित आंखों से जुड़ी अनेक बीमारियों का ईलाज करते हैं। वे हमारी आँखों की रोशनी को बचाने और अंधेपन को रोकने के लिए प्रयासरत रहते हैं।

आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और अंधेपन को रोकने के लिए आंखों की नियमित जांच करवाना, समय रहते समस्या का पता लगाना और उचित समय पर उपचार करवाना काफी महत्वपूर्ण चरण होते हैं।

साथियो, भारत में दुनिया के सबसे अच्छे प्रशिक्षित नेत्र रोग विशेषज्ञ मौजूद हैं जो अपने ज्ञान और कौशल के माध्यम से भारत के नागरिकों की हर प्रकार से सेवा कर रहे हैं। उनके कौशल और उत्कृष्ट गुणवत्ता का ही परिणाम है कि आज भारत के ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लोग भारत के डॉक्टर्स और अस्पताल में इलाज कराने आ रहे हैं।

आज भारत विश्व का मेडिकल हब बन रहा है। यह आपकी मेहनत और कुशलता के कारण ही संभव हुआ है।

भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञों ने कम लागत वाली मोतियाबिंद सर्जरी और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए टेलीमेडिसिन के उपयोग जैसे अभिनव और कम लागत वाले समाधान विकसित किए हैं। भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा की तकनीकों की खोज में अग्रणी हैं।

भारत नेत्र अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे आगे है और हम दृष्टि को बेहतर बनाने, नेत्र रोग प्रबंधन और रेटिना से जुड़ी बीमारियों पर होने वाले अनुसन्धान में भी अपना योगदान दे रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित अन्य अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग से बीमारियों के निदान और उपचार संबंधी परिणामों में काफी सुधार हुआ है। भारत में नेत्र संस्थाओं और प्रशिक्षण केंद्रों का एक मजबूत नेटवर्क है जहाँ से न केवल भारत के लिए बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए भी कुशल नेत्र रोग विशेषज्ञ निकलते हैं। ये संस्थाएं सीखने और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं।

ऐसी ही एक संस्था सेंटर फॉर साइट है जिसने डॉ. महिपाल सचदेव के नेतृत्व में खुद को नेत्र देखभाल के क्षेत्र में एक विश्वसनीय संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और नेत्र स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने की निरंतर खोज के साथ, इस समूह ने नेत्र देखभाल सेवाओं की बेहतरी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। और सिर्फ सेंटर फॉर साइट ही नहीं बल्कि ऐसी कई नेत्र अस्पताल हैं, जिन्होंने अपनी गुणवत्ता को स्थापित किया है। देश में कई नेत्र अस्पताल हैं, जहां सभी आय वर्ग के लोगों को उचित इलाज मिलता है।

आंखों की बीमारियों से बचाव उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उनका इलाज करना। भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञों ने नेत्र शिविरों का आयोजन करके, आंखों की स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और आंखों की नियमित जांच के लिए लोगों को प्रोत्साहित करके समाज को आँखों की देखभाल के सम्बन्ध में जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

मैंने स्वयं अपने निर्वाचन क्षेत्र में नेत्र विशेषज्ञ की समर्पित सेवाओं के माध्यम से नेत्र कैंप लगवाए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला है।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अंधेपन के मामलों में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टि हानि नियंत्रण कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। पर सरकार के कार्यक्रमों के अतिरिक्त निजी संस्थानों को भी इस क्षेत्र में आगे आना होगा तभी इसका लाभ आम जनता तक सही तरीके से पहुँच पाएगा।

अंत में, मैं नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में आपकी सोसाइटी ऑफ इंडिया के योगदान के लिए आपकी सराहना करता हूँ। आपके सामूहिक प्रयास आपके रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं।

हमें इस सम्मेलन में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखने, आधुनिकतम तकनीकों को अपनाने तथा संवेदना और समर्पण के साथ मानवता की सेवा जारी रखने का संकल्प करना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए कि गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल सभी के लिए सुलभ हो, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थिति कुछ भी हो।

आइए, हम सभी भारतीय नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार की संस्कृति को सँजोने और आगे बढ़ाने का संकल्प करें। मैं कामना करता हूँ कि यह सम्मेलन सभी के लिए सफल और ज्ञानवर्धक

साबित हो तथा यहाँ होनेवाली सार्थक चर्चाओं, साझा अनुभवों और परिवर्तनकारी विचारों के माध्यम से आंखों की देखभाल संबंधी व्यवस्था का भविष्य निर्धारित हो।

———